SPIC MACAY

CHANDIGARH CITIZENS FOUNDATION

CHANDIGARH CITIZENS FOUNDATION & SPIC MACAY

IN COLLABORATION WITH

- Delhi Public School, Chandigarh
- Dass & Brown Experiential Learning School, Manimajra

PRESENT

The First-of-its-Kind in the City Beautiful Bal Film Mahotsav

CINEMATIC LENS:

Learning through Light... Sound... Action...

- Celebrating Creativity
- Inspiring Young Minds
- Learning Through Cinema

August 3 - August 6, 2026

SUMMARY OF MOVIES

Modern Times (1936)

Directed by and starring Charlie Chaplin, is a classic comedy-drama that satirizes the effects of industrialization and modern society on ordinary people. The film follows Chaplin's iconic character, the Little Tramp, as he struggles to adapt to the fast-paced, machine-driven world of factory work. After a series of humorous mishaps on an assembly line, he loses his job and encounters a young homeless woman with whom he forms a close bond. Together, they face poverty, unemployment, and social challenges while pursuing a better life. Through its blend of comedy and social commentary, Modern Times highlights the importance of human dignity, resilience, and compassion in an increasingly mechanized world.

The Gold Rush (1925)

Is a silent comedy film written, directed by, and starring Charlie Chaplin. The story follows Chaplin's beloved character, the Little Tramp, who travels to the Klondike during the gold rush in search of fortune and adventure. Along the way, he faces harsh winter conditions, hunger, and a series of comical misfortunes. Despite his struggles, the Tramp remains optimistic and falls in love with a dance hall girl named Georgia. Through its memorable scenes—such as the famous "dance of the rolls" and the boot-eating sequence—the film combines humour with themes of perseverance, loneliness, and the pursuit of dreams. The Gold Rush remains one of Chaplin's most celebrated works for its emotional depth and timeless comedy.

The Kid (1921)

Is a silent comedy-drama film written, directed by, and starring Charlie Chaplin. The story follows the Little Tramp, who unexpectedly becomes the guardian of an abandoned child. Over the years, the Tramp and the boy develop a deep father-son bond while surviving through clever schemes and shared hardships. When authorities attempt to separate them, the Tramp fights to keep the child he has come to love. Blending humour with heartfelt emotion, The Kid explores themes of family, poverty, compassion, and the power of unconditional love, making it one of Charlie Chaplin's most touching and influential films. A Hindi Remake was created by Bollywood Actor Mehmood on the same subject in 1974 also.

The Circus (1928)

Is a silent comedy film written, directed by, and starring Charlie Chaplin. The story follows the Little Tramp, who accidentally becomes the star attraction of a traveling circus after his natural clumsiness and comic antics delight audiences. Unaware that his mishaps are what make him entertaining, he struggles to fit into circus life while falling in love with a young circus performer. As he tries to help her find happiness, the Tramp ultimately sacrifices his own feelings. Combining slapstick humor with moments of tenderness and melancholy, The Circus explores themes of love, selflessness, and the bittersweet nature of life's journey.

मम्मो (1994) – संक्षिप्त कथा

मम्मो 1994 में बनी एक संवेदनशील हिंदी फिल्म है, जिसका निर्देशन श्याम बेनेगल ने किया है। यह फिल्म भारत-विभाजन के बाद बिछड़े लोगों की पीड़ा, पहचान, नागरिकता और पारिवारिक रिश्तों की भावनात्मक कहानी प्रस्तुत करती है। फिल्म की कहानी मेहमूदा बेगम उर्फ़ "मम्मो" के इर्द-गिर्द घूमती है, जो भारत के विभाजन के समय पाकिस्तान चली गई थीं। *मम्मो* मानवीय संवेदनाओं, विस्थापन की त्रासदी और अपनापन खोजने की मार्मिक कहानी है, जो दर्शकों को गहराई से प्रभावित करती है।

यह फिल्म विभाजन के मानवीय प्रभाव को अत्यंत सरल, संवेदनशील और भावनात्मक ढंग से प्रस्तुत करती है तथा हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि "घर" और "अपनापन" वास्तव में किसे कहते हैं।

मंथन (1976) – संक्षिप्त कथा

मंथन 1976 में बनी एक महत्वपूर्ण हिंदी फिल्म है, जिसका निर्देशन श्याम बेनेगल ने किया है। यह फिल्म भारत की श्वेत क्रांति (White Revolution) और दुग्ध सहकारी आंदोलन से प्रेरित है। इसकी कहानी ग्रामीण भारत में किसानों के सशक्तिकरण, सामाजिक परिवर्तन और सामूहिक प्रयास की शक्ति को दर्शाती है। यह भारत की पहली क्राउड-फंडेड फिल्म मानी जाती है, जिसे गुजरात के लगभग पाँच लाख दुग्ध उत्पादक किसानों ने दो-दो रुपये का योगदान देकर बनवाया था।

चक दे! इंडिया – संक्षिप्त कथा

चक दे! इंडिया (2007) एक प्रेरणादायक हिंदी फिल्म है, जिसका निर्देशन शिमित अमीन ने किया है। यह फिल्म खेल, देशभक्ति, महिला सशक्तिकरण और टीम भावना के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती है। इसकी कहानी भारतीय महिला हॉकी टीम के संघर्ष, एकता और विश्व मंच पर अपनी पहचान बनाने की यात्रा को दर्शाती है। *चक दे! इंडिया* केवल एक खेल फिल्म नहीं है, बल्कि यह एकता, नेतृत्व, दृढ़ संकल्प और महिलाओं की क्षमता पर विश्वास की प्रेरणादायक कहानी है। यह फिल्म हमें सिखाती है कि जब व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर एक टीम के रूप में काम किया जाता है, तो असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

निल बटे सन्नाटा (2015) – संक्षिप्त कथा

निल बटे सन्नाटा एक प्रेरणादायक हिंदी फिल्म है, जिसका निर्देशन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया है। यह फिल्म शिक्षा, सपनों और माँ-बेटी के रिश्ते की संवेदनशील कहानी प्रस्तुत करती है। इसकी कहानी चंदा सहाय नामक एक घरेलू कामगार महिला के संघर्ष पर आधारित है, जो अपनी बेटी अपेक्षा (अप्पू) को अच्छी शिक्षा दिलाकर उसका भविष्य संवारना चाहती है। अप्पू पढ़ाई में रुचि नहीं लेती और अपने सीमित सामाजिक-आर्थिक परिवेश के कारण बड़े सपने देखने से कतराती है। अपनी बेटी को प्रेरित करने के लिए चंदा स्वयं उसी स्कूल में दाखिला लेती है, जहाँ उसकी बेटी पढ़ती है। इस अनोखे प्रयास के माध्यम से वह उसे शिक्षा के महत्व और जीवन में मेहनत के मूल्य को समझाती है। फिल्म यह संदेश देती है कि परिस्थितियाँ चाहे कैसी भी हों, शिक्षा और दृढ़ संकल्प से सपनों को साकार किया जा सकता है।

CHILDREN'S FILM FESTIVAL

August 3 - August 6, 2026